SHRI ADWAITA CHARAN GADANAYAK

Shri Adwaita Charan Gadanayak is a renowned Indian sculptor, celebrated for his significant contributions to the world of art. His work, spanning several decades, has earned him a prominent reputation both in India and globally. He is widely acclaimed for his mastery in crafting sculptures that reflect the depth of Indian culture, spirituality and heritage.

2. Born on 24th April, 1963 in Odisha, Shri Gadanayak's formative years were deeply influenced by the indigenous arts and traditions of Indian sculpture. He pursued formal training in fine arts and sculpture at prestigious institutions both in India and abroad. His dedication to his craft grew stronger as he delved deeper into India's rich tradition of sculptural art, which is rooted in religious iconography and cultural history. His work is deeply rooted in classical Indian sculptural traditions, but his modern approach adds a universal appeal to his creations. He has headed the Visual Art Department at the KIIT University Odisha. His ability to blend traditional themes with contemporary aesthetics has set him apart from many of his contemporaries. Drawing inspiration from Hindu mythology and India's diverse cultural heritage, he is known for creating abstract sculptures, demonstrating his versatility in conceptual art forms.

3. Among his most celebrated works is the Police Memorial in New Delhi, which exemplifies his conceptual approach to sculpture. This abstract creation explores the divine, the eternal, and the cosmic, offering a glimpse into the spiritual philosophies. Shri Gadanayak has also developed Sculpture Park for the Piramal Group in Mumbai and a Sculpture at Sakai City's Daisen Park, Japan.

4. As the Director General of the National Gallery of Modern Art (NGMA), Shri Gadanayak has led the institution with a visionary approach from 2016 to 2022. Under his guidance, NGMA has undertaken several national projects of great significance. His leadership has been instrumental in shaping the future of India's art landscape. Other highlight projects include E-Auction of Prime Minister's Mementos, Commissioner of the India Pavilion at Venice 2019 under the auspices of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi, Major exhibitions under BRICS alliance in China and exhibitions in collaborations with art institutions and museums from Japan, Australia, Israel, South Korea, France, Germany, Slovenia, Sri-Lanka, Italy, South Africa, Portugal and more.

5 One of the standout achievements during Shri Gadanayak's tenure as Director General of the National Gallery of Modern Art (NGMA) was the successful renovation of Jaipur House, the gallery's iconic headquarters in New Delhi. Under Shri Gadanayak's visionary leadership, the renovation project revitalized this historic building, blending its rich heritage with modern aesthetics, making it a beacon of India's artistic future. This strategic revamp of Jaipur House not only bolstered NGMA's capacity to display world-class exhibitions but also ensured that the gallery remained a key player in shaping the discourse around Indian and global art in the 21st century.

श्री अद्वैत चरण गडनायक

श्री अद्वैत चरण गडनायक एक प्रसिद्ध भारतीय मूर्तिकार हैं, जिन्हें कला की दुनिया में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। कई दशकों के उनके काम ने उन्हें भारत और दुनिया भर में प्रतिष्ठा दिलाई है। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और विरासत की गहराई को प्रतिबिंबित करने वाली मूर्तियों को गढ़ने में उनकी महारत के लिए उनकी व्यापक सराहना की जाती है।

2. 24 अप्रैल, 1963 को ओडिशा में जन्मे, श्री गडनायक शुरुआत में भारतीय मूर्तिकला की देशी कला और परंपरा से गहरे प्रभावित थे। उन्होंने भारत और दूसरे देशों के प्रतिष्ठित संस्थानों में ललित कला और मूर्तिकला में औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। धार्मिक मूर्तिकला और सांस्कृतिक इतिहास में निहित भारत की समृद्ध मूर्तिकला परंपरा से गहराई से जुड़कर अपने शिल्प के प्रति उनका समर्पण और मजबूत हुआ। उनकी कला भारत की पारंपरिक मूर्तिकला से गहराई से जुड़ी है, लेकिन उनका आधुनिक दृष्टिकोण उनकी कलाकृतियों को एक सार्वभौमिक आकर्षण देता है। वह केआईआईटी विश्वविद्यालय ओडिशा में दृश्य कला विभाग के प्रमुख थे। पारंपरिक विषयों को समकालीन सौंदर्यशास्त्र के साथ मिश्रित करने की उनकी क्षमता ने उन्हें अपने कई समकालीनों से अलग खड़ा किया है। हिंदू पौराणिक कथाओं और भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेते हुए, वह संकल्पनात्मक कला रूपों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दर्शाते हुए गूढ़ मूर्तियां गढ़ने के लिए प्रसिद्ध हैं।

3. उनकी सबसे प्रसिद्ध कलाकृतियों में से एक है नई दिल्ली में पुलिस स्मारक, जो मूर्तिकला के प्रति उनके संकल्पनात्मक दृष्टिकोण का उदाहरण है। यह गूढ़ कलाकृति दिव्य, शाश्वत और ब्रह्मांडीय आभास देती है, जो आध्यात्मिक दर्शन की एक झलक पेश करती है। श्री गडनायक ने मुंबई में पीरामल समूह के लिए स्कल्पचर पार्क बनाया है और जापान के साकाई शहर के डेसेन पार्क में एक मूर्ति बनाई है।

4. राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) के महानिदेशक के रूप में, श्री गडनायक ने 2016 से 2022 तक दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ संस्थान का नेतृत्व किया है। उनके मार्गदर्शन में, एनजीएमए ने कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाओं को हाथ में लिया है। उनका नेतृत्व भारत के कला परिदृश्य के भविष्य को आकार देने में सहायक रहा है। अन्य प्रमुख परियोजनाओं में प्रधानमंत्री के स्मृति चिन्हों की ई–नीलामी, 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर वेनिस में भारत मंडप का आरंभ, चीन में ब्रिक्स गठबंधन के तहत प्रमुख प्रदर्शनियां और जापान, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी, स्लोवेनिया, श्रीलंका, इटली, दक्षिण अफ्रीका, पुर्तगाल और अन्य कई देशों के कला संस्थानों और संग्रहालयों के सहयोग से प्रदर्शनियों का आयोजन शामिल है।

5. नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए) के महानिदेशक के रूप में श्री गडनायक के कार्यकाल के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक जयपुर हाउस का सफल जीर्णोद्धार था, जो नई दिल्ली में गैलरी का प्रतिष्ठित मुख्यालय है। श्री गडनायक के दूरदर्शी नेतृत्व में, इस जीर्णोद्धार परियोजना ने इस ऐतिहासिक इमारत को नया जीवन दिया, इसकी समृद्ध विरासत को आधुनिक सौंदर्यशास्त्र के साथ मिश्रित किया और इसे भारत के कलात्मक भविष्य का प्रतीक बना दिया। जयपुर हाउस के इस महत्वपूर्ण जीर्णोद्धार से न केवल विश्व स्तरीय प्रदर्शनियों को प्रदर्शित करने की एनजीएमए की क्षमता बढ़ी, बल्कि यह भी सुनिश्चित हो गया कि यह गैलरी 21वीं सदी में भारतीय और वैश्विक कला से संबंधित विमर्श को आकार देने में एक प्रमुख संस्थान बनी रहे।